

到病除

——针灸取穴图解



针灸疗法是通过在经络和穴位所在部位或针或灸，予以良性刺激，来调节人体内在功能，调动内在的抗病能力，在一定程度上平衡阴阳、协调脏腑功能，从而达到防病、治病、保健的目的，具有简、便、效、廉、安全及无不良反应等特点。但应用针灸疗法治疗疾病，必须做到取穴准确、针刺深浅适度、刺激参数合理以及操作技巧符合要求，才能达到预期效果。本书共介绍常用经穴361个和奇穴82个，并配以穴位图，详细、规范、准确地介绍了腧穴的定位、取穴方法、腧穴特性、操作方法、主治病症、临床应用配穴处方以及操作注意事项等，从而使读者达到直观了解腧穴所在部位的结构特点，熟练掌握各种取穴方法的目的。

主编 ◎ 娄必丹 ▲ 湖南科学技术出版社

特别赠送
全彩标准经
络穴位挂图

实用 中医 绝招 丛书



实用中医绝招丛书



到病除

——针灸取穴图解

主编 ◎ 娄必丹

副主编 ◎ 黄志刚

编委 ◎ 娄必丹 黄志刚 邓春燕 龚萍

绘图 ◎ 何文 李丹 刘芝俐
韩承柱 韩蓉

湖南科学技术出版社

图书在版编目 (C I P) 数据

针到病除——针灸取穴图解 / 娄必丹主编. — 长沙: 湖南科学技术出版社, 2010. 6

ISBN 978-7-5357-6266-5

I. ①针… II. ①娄… III. ①针灸疗法—选穴—图解
IV. ①R224. 2-64

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2010) 第 110500 号

实用中医绝招丛书

针到病除

——针灸取穴图解

主 编: 娄必丹

责任编辑: 李 忠

出版发行: 湖南科学技术出版社

社 址: 长沙市湘雅路 276 号

<http://www.hnstp.com>

邮购联系: 本社直销科 0731 - 84375808

印 刷: 长沙化勘印刷有限公司

(印装质量问题请直接与本厂联系)

厂 址: 长沙市青园路 4 号

邮 编: 410004

出版日期: 2010 年 7 月第 1 版第 1 次

开 本: 710mm×1020mm 1/16

印 张: 21.75

插 页: 1

字 数: 300000

书 号: ISBN 978-7-5357-6266-5

定 价: 34.50 元

(版权所有 · 翻印必究)



前言

P R E F A C E

随着现代社会人们生活方式的改变、生存环境的不断被破坏，由之引发的各种疾病日益增多，特别是医源性疾病和药源性疾病的的发生不断增多，以致寻求经济、简便、安全、有效的治病及保健方法，越来越成为世界医学界迫切需要解决的重要课题。针灸学是中华民族在医学上的一项重大发明创造，是中国人民在长期的劳动实践和与疾病斗争的经验积累中逐步形成的，具有独特而系统的科学理论和诊疗方法，在保障人民健康、稳定社会和促进经济发展等方面都发挥出了十分重要的作用。目前，针灸疗法作为一种行之有效而又安全、经济的非药物疗法，已广泛应用于治疗多种疾病和预防保健中。

针灸疗法适应证广，据不完全统计，中西医病证的针灸临床适应病种达300余种，世界卫生组织（WHO）在1996年11月于意大利米兰讨论通过并公布的针灸适应证为64种。针灸疗法通过在经络和穴位所在部位或针或灸，予以良性刺激，来调节人体内在功能，调动内在的抗病能力，在一定程度上平衡阴阳、协调脏腑功能，从而达到防病、治病、保健的目的。针灸疗法所特有的简、便、效、廉、安全及无不良反应等特点，使得它在当今世界诸多医疗保健方法中一枝独秀，备受各地人民的青睐，也受到世界医学界的广泛重视。特别是近代以来，通过针灸学界各位专家和同仁的共同努力，针灸事业得到迅速发展，取得了令人瞩目的成绩，其科学性和重要性正逐渐为国际社会所认识和关注，外国学者纷纷前来我国学习针灸学，使针灸学日益成为中外医学交流的重要内容，是实现WHO提出的“人人享有卫生保健”目标的重要医疗手段。

针灸学是中医学的一个重要组成部分，是在经络及腧穴学基础上建立起来的，

已在长期的医疗实践中得到广泛的认可和应用。指导针灸临床的重大理论是经络学说，而经络学说的具体运用则是选取腧穴，因此，腧穴是针灸学的重要内容。应用针刺和艾灸的方法治疗疾病，必须做到取穴准确、针刺深浅适度、刺激参数合理以及操作技巧符合要求，才能达到预期的效果。其中，取穴准确是重要环节。要做到取穴准确，必须熟练掌握各种取穴方法，了解腧穴所在部位的结构特点等。

然而，我们在多年的临床带教医学院校实习生、指导基层临床医生和海外留学生的过程中，发现初学者及基层医生大多对经穴及奇穴的定位不清，取穴不准，选穴不当，主治不明，某些重要部位的特殊操作方法未掌握，从而导致在临床治疗中出现疗效欠佳或因操作不当出现医疗事故的现象。有鉴于此，为给读者提供详细、形象、具有临床实用性的腧穴学图谱，特编写了《针到病除——针灸取穴图解》一书。

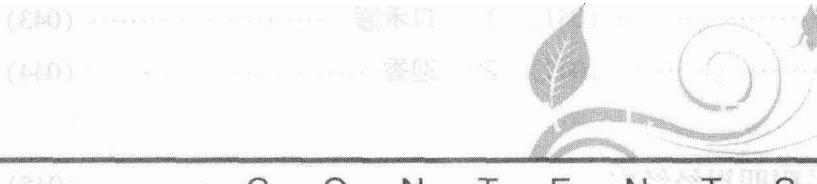
本书共16章，第1章介绍腧穴的基本知识，第2章至第15章按十四经流注次序编排，每一条经脉为一章，第16章介绍经外奇穴。全书共介绍常用经穴361个和奇穴82个，并配以穴位图，详细、规范、准确地介绍了腧穴的定位、取穴方法、腧穴特性、操作方法、主治病证、临床应用配穴处方以及操作注意事项等。本书图文并茂，适合于广大中医院校的学生、中医及针灸爱好者、海外留学生学习使用，也可供从事中医及针灸临床和教学的工作人员参考。

本书在编写中，力求准确、实用，但由于我们工作繁忙，加之水平有限，书中缺点、错误在所难免，恳切希望广大读者及各位同行批评指正。

中南大学湘雅医学院韩承柱教授和韩蓉同志对本书插图的设计和绘制倾注了大量的心血，特此致谢。

娄必丹

于湖南中医药大学第一附属医院



目录

C O N T E N T S

第 1 章

腧穴总论

(001)

- | | | | |
|--------------------|-------|---------------|-------|
| 1 腧穴的分类 | (002) | 3 腧穴定位法 | (008) |
| 2 腧穴的治疗作用和主治规律 ... | (004) | 4 特定穴 | (012) |

第 2 章

手太阴肺经经穴

(019)

- | | | | |
|------------|-------|-------------|-------|
| 1 中府 | (020) | 7 列缺 | (024) |
| 2 云门 | (021) | 8 经渠 | (025) |
| 3 天府 | (022) | 9 太渊 | (026) |
| 4 侠白 | (022) | 10 鱼际 | (027) |
| 5 尺泽 | (023) | 11 少商 | (028) |
| 6 孔最 | (024) | | |

第 3 章

手阳明大肠经经穴

(029)

- | | | | |
|------------|-------|--------------|-------|
| 1 商阳 | (030) | 8 下廉 | (036) |
| 2 二间 | (031) | 9 上廉 | (037) |
| 3 三间 | (032) | 10 手三里 | (037) |
| 4 合谷 | (033) | 11 曲池 | (038) |
| 5 阳溪 | (034) | 12 肘髎 | (039) |
| 6 偏历 | (035) | 13 手五里 | (039) |
| 7 温溜 | (035) | 14 背醪 | (040) |

| | | | | | | | |
|----|----|-------|-------|----|-----|-------|-------|
| 15 | 肩髃 | | (040) | 18 | 扶突 | | (042) |
| 16 | 巨骨 | | (041) | 19 | 口禾髎 | | (043) |
| 17 | 天鼎 | | (042) | 20 | 迎香 | | (044) |

第4章

足阳明胃经经穴

(045)

| | | | | | | | |
|----|----|-------|-------|----|-----|-------|-------|
| 1 | 承泣 | | (046) | 24 | 滑肉门 | | (060) |
| 2 | 四白 | | (047) | 25 | 天枢 | | (060) |
| 3 | 巨髎 | | (048) | 26 | 外陵 | | (061) |
| 4 | 地仓 | | (048) | 27 | 大巨 | | (061) |
| 5 | 大迎 | | (049) | 28 | 水道 | | (062) |
| 6 | 颊车 | | (050) | 29 | 归来 | | (062) |
| 7 | 下关 | | (050) | 30 | 气冲 | | (063) |
| 8 | 头维 | | (051) | 31 | 髀关 | | (063) |
| 9 | 人迎 | | (052) | 32 | 伏兔 | | (064) |
| 10 | 水突 | | (052) | 33 | 阴市 | | (065) |
| 11 | 气舍 | | (053) | 34 | 梁丘 | | (065) |
| 12 | 缺盆 | | (054) | 35 | 犊鼻 | | (066) |
| 13 | 气户 | | (054) | 36 | 足三里 | | (066) |
| 14 | 库房 | | (055) | 37 | 上巨虚 | | (068) |
| 15 | 屋翳 | | (055) | 38 | 条口 | | (068) |
| 16 | 膺窗 | | (056) | 39 | 下巨虚 | | (069) |
| 17 | 乳中 | | (056) | 40 | 丰隆 | | (069) |
| 18 | 乳根 | | (056) | 41 | 解溪 | | (070) |
| 19 | 不容 | | (057) | 42 | 冲阳 | | (071) |
| 20 | 承满 | | (058) | 43 | 陷谷 | | (072) |
| 21 | 梁门 | | (058) | 44 | 内庭 | | (072) |
| 22 | 关门 | | (059) | 45 | 厉兑 | | (073) |
| 23 | 太乙 | | (059) | | | | |

(011)

第5章**足太阴脾经经穴**

(075)

| | | | |
|-------------|-------|-------------|-------|
| 1 隐白 | (076) | 12 冲门 | (084) |
| 2 大都 | (077) | 13 府舍 | (085) |
| 3 太白 | (078) | 14 腹结 | (086) |
| 4 公孙 | (078) | 15 大横 | (086) |
| 5 商丘 | (079) | 16 腹哀 | (087) |
| 6 三阴交 | (080) | 17 食窦 | (087) |
| 7 漏谷 | (081) | 18 天溪 | (088) |
| 8 地机 | (082) | 19 胸乡 | (089) |
| 9 阴陵泉 | (082) | 20 周荣 | (089) |
| 10 血海 | (083) | 21 大包 | (090) |
| 11 箕门 | (084) | | |

(021)

第6章**手少阴心经经穴**

(091)

| | | | |
|------------|-------|------------|-------|
| 1 极泉 | (092) | 6 阴郄 | (096) |
| 2 青灵 | (093) | 7 神门 | (096) |
| 3 少海 | (093) | 8 少府 | (097) |
| 4 灵道 | (094) | 9 少冲 | (098) |
| 5 通里 | (095) | | |

(021)

第7章**手太阳小肠经经穴**

(099)

| | | | |
|------------|-------|-------------|-------|
| 1 少泽 | (100) | 6 养老 | (104) |
| 2 前谷 | (101) | 7 支正 | (105) |
| 3 后溪 | (102) | 8 小海 | (105) |
| 4 腕骨 | (102) | 9 肩贞 | (106) |
| 5 阳谷 | (103) | 10 膏肓 | (107) |

| | | | | | |
|--------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 11 天宗 | | (107) | 16 天窗 | | (110) |
| 12 秉风 | | (108) | 17 天容 | | (111) |
| 13 曲垣 | | (108) | 18 颞髎 | | (111) |
| 14 肩外俞 | | (109) | 19 听宫 | | (112) |
| 15 肩中俞 | | (109) | | | |

8

第8章 足太阳膀胱经经穴

(113)

| | | | | | |
|--------|-------|-------|--------|-------|-------|
| 1 睛明 | | (115) | 22 三焦俞 | | (130) |
| 2 攒竹 | | (116) | 23 肾俞 | | (131) |
| 3 眉冲 | | (117) | 24 气海俞 | | (132) |
| 4 曲差 | | (117) | 25 大肠俞 | | (133) |
| 5 五处 | | (118) | 26 关元俞 | | (133) |
| 6 承光 | | (118) | 27 小肠俞 | | (134) |
| 7 通天 | | (119) | 28 膀胱俞 | | (135) |
| 8 络却 | | (119) | 29 中膂俞 | | (135) |
| 9 玉枕 | | (120) | 30 白环俞 | | (136) |
| 10 天柱 | | (120) | 31 上髎 | | (136) |
| 11 大杼 | | (121) | 32 次髎 | | (137) |
| 12 风门 | | (122) | 33 中髎 | | (138) |
| 13 肺俞 | | (123) | 34 下髎 | | (138) |
| 14 厥阴俞 | | (124) | 35 会阳 | | (139) |
| 15 心俞 | | (125) | 36 承扶 | | (139) |
| 16 膏俞 | | (126) | 37 殷门 | | (140) |
| 17 脾俞 | | (126) | 38 浮郄 | | (141) |
| 18 肝俞 | | (127) | 39 委阳 | | (141) |
| 19 胆俞 | | (128) | 40 委中 | | (142) |
| 20 脾俞 | | (129) | 41 附分 | | (142) |
| 21 胃俞 | | (130) | 42 魄户 | | (143) |

| | | | | | |
|----|----|-------|----|-----|-------|
| 43 | 膏肓 | (144) | 56 | 承筋 | (150) |
| 44 | 神堂 | (144) | 57 | 承山 | (151) |
| 45 | 臆嘻 | (145) | 58 | 飞扬 | (151) |
| 46 | 膈关 | (145) | 59 | 跗阳 | (152) |
| 47 | 魂门 | (146) | 60 | 昆仑 | (152) |
| 48 | 阳纲 | (146) | 61 | 仆参 | (153) |
| 49 | 意舍 | (147) | 62 | 申脉 | (154) |
| 50 | 胃仓 | (147) | 63 | 金门 | (154) |
| 51 | 肓门 | (148) | 64 | 京骨 | (155) |
| 52 | 志室 | (148) | 65 | 束骨 | (156) |
| 53 | 胞肓 | (149) | 66 | 足通谷 | (156) |
| 54 | 秩边 | (149) | 67 | 至阴 | (157) |
| 55 | 合阳 | (150) | | | |

第9章**足少阴肾经经穴**

(159)

| | | | | | |
|----|----|-------|----|-----|-------|
| 1 | 涌泉 | (160) | 15 | 中注 | (171) |
| 2 | 然谷 | (162) | 16 | 肓俞 | (172) |
| 3 | 太溪 | (163) | 17 | 商曲 | (172) |
| 4 | 大钟 | (164) | 18 | 石关 | (173) |
| 5 | 水泉 | (164) | 19 | 阴都 | (173) |
| 6 | 照海 | (165) | 20 | 腹通谷 | (174) |
| 7 | 复溜 | (166) | 21 | 幽门 | (175) |
| 8 | 交信 | (167) | 22 | 步廊 | (175) |
| 9 | 筑宾 | (167) | 23 | 神封 | (176) |
| 10 | 阴谷 | (168) | 24 | 灵墟 | (176) |
| 11 | 横骨 | (169) | 25 | 神藏 | (177) |
| 12 | 大赫 | (170) | 26 | 彧中 | (177) |
| 13 | 气穴 | (170) | 27 | 俞府 | (178) |
| 14 | 四满 | (171) | | | |

10

第10章 手厥阴心包经经穴

(179)

| | | | | | |
|------|-------|-------|------|-------|-------|
| 1 天池 | | (180) | 6 内关 | | (184) |
| 2 天泉 | | (181) | 7 大陵 | | (185) |
| 3 曲泽 | | (182) | 8 劳宫 | | (186) |
| 4 郄门 | | (182) | 9 中冲 | | (187) |
| 5 间使 | | (183) | | | |

11

第11章 手少阳三焦经经穴

(189)

| | | | | | |
|--------|-------|-------|--------|-------|-------|
| 1 关冲 | | (190) | 13 腊会 | | (198) |
| 2 液门 | | (191) | 14 肩髎 | | (198) |
| 3 中渚 | | (192) | 15 天髎 | | (199) |
| 4 阳池 | | (192) | 16 天牖 | | (200) |
| 5 外关 | | (193) | 17 鬱风 | | (200) |
| 6 支沟 | | (194) | 18 痰脉 | | (201) |
| 7 会宗 | | (195) | 19 颧息 | | (202) |
| 8 三阳络 | | (195) | 20 角孙 | | (202) |
| 9 四渎 | | (196) | 21 耳门 | | (203) |
| 10 天井 | | (196) | 22 耳和髎 | | (203) |
| 11 清冷渊 | | (197) | 23 丝竹空 | | (204) |
| 12 消泺 | | (197) | | | |

12

第12章 足少阳胆经经穴

(205)

| | | | | | |
|-------|-------|-------|------|-------|-------|
| 1 瞳子髎 | | (206) | 5 悬颅 | | (209) |
| 2 听会 | | (207) | 6 悬厘 | | (210) |
| 3 上关 | | (208) | 7 曲鬓 | | (210) |
| 4 颌厌 | | (209) | 8 率谷 | | (211) |

| | | | |
|--------|-------|-------------|-------|
| 9 天冲 | (211) | 27 五枢 | (224) |
| 10 浮白 | (212) | 28 维道 | (225) |
| 11 头窍阴 | (212) | 29 居髎 | (225) |
| 12 完骨 | (213) | 30 环跳 | (226) |
| 13 本神 | (214) | 31 风市 | (227) |
| 14 阳白 | (214) | 32 中渎 | (228) |
| 15 头临泣 | (215) | 33 膝阳关 | (228) |
| 16 目窗 | (216) | 34 阳陵泉 | (229) |
| 17 正营 | (216) | 35 阳交 | (230) |
| 18 承灵 | (217) | 36 外丘 | (230) |
| 19 脑空 | (217) | 37 光明 | (231) |
| 20 风池 | (218) | 38 阳辅 | (231) |
| 21 肩井 | (219) | 39 悬钟(又称绝骨) | (232) |
| 22 渊腋 | (220) | 40 丘墟 | (233) |
| 23 辗筋 | (221) | 41 足临泣 | (234) |
| 24 日月 | (222) | 42 地五会 | (235) |
| 25 京门 | (223) | 43 侠溪 | (235) |
| 26 带脉 | (223) | 44 足窍阴 | (236) |

第13章 足厥阴肝经经穴 (237)

| | | | |
|------|-------|--------|-------|
| 1 大敦 | (238) | 8 曲泉 | (243) |
| 2 行间 | (239) | 9 阴包 | (244) |
| 3 太冲 | (240) | 10 足五里 | (245) |
| 4 中封 | (241) | 11 阴廉 | (246) |
| 5 章沟 | (242) | 12 急脉 | (246) |
| 6 中都 | (242) | 13 章门 | (247) |
| 7 膝关 | (243) | 14 期门 | (248) |

第14章 督脉经穴

(249)

| | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| 1 长强 | (250) | 15 哑门 | (260) |
| 2 腰俞 | (251) | 16 风府 | (261) |
| 3 腰阳关 | (252) | 17 脑户 | (262) |
| 4 命门 | (253) | 18 强间 | (263) |
| 5 悬枢 | (254) | 19 后顶 | (263) |
| 6 脊中 | (254) | 20 百会 | (264) |
| 7 中枢 | (255) | 21 前顶 | (265) |
| 8 筋缩 | (255) | 22 囁会 | (266) |
| 9 至阳 | (256) | 23 上星 | (266) |
| 10 灵台 | (256) | 24 神庭 | (267) |
| 11 神道 | (257) | 25 素髎 | (268) |
| 12 身柱 | (258) | 26 水沟 | (268) |
| 13 陶道 | (258) | 27 兑端 | (269) |
| 14 大椎 | (259) | 28 齿交 | (270) |

第15章 任脉经穴

(271)

| | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| 1 会阴 | (272) | 11 建里 | (281) |
| 2 曲骨 | (273) | 12 中脘 | (281) |
| 3 中极 | (274) | 13 上脘 | (282) |
| 4 关元 | (275) | 14 巨阙 | (283) |
| 5 石门 | (276) | 15 鸠尾 | (284) |
| 6 气海 | (277) | 16 中庭 | (285) |
| 7 阴交 | (278) | 17 脐中 | (285) |
| 8 神阙 | (279) | 18 玉堂 | (286) |
| 9 水分 | (280) | 19 紫宫 | (286) |
| 10 下脘 | (280) | 20 华盖 | (287) |

| | | | | | |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 21 璇玑 | | (287) | 23 廉泉 | | (289) |
| 22 天突 | | (288) | 24 承浆 | | (290) |

第16章 经外奇穴 (291)

头颈部奇穴

| | | | | | |
|--------|-------|-------|----------|-------|-------|
| 1 四神聪 | | (292) | 15 内迎香 | | (300) |
| 2 当阳 | | (292) | 16 颊里 | | (300) |
| 3 印堂 | | (293) | 17 聚泉 | | (301) |
| 4 鱼腰 | | (294) | 18 海泉 | | (301) |
| 5 上明 | | (294) | 19 金津、玉液 | | (302) |
| 6 球后 | | (295) | 20 夹承浆 | | (302) |
| 7 耳尖 | | (295) | 21 上廉泉 | | (303) |
| 8 太阳 | | (296) | 22 外金精玉液 | | (303) |
| 9 安眠 | | (297) | 23 颈百劳 | | (304) |
| 10 牵正 | | (297) | 24 新设 | | (305) |
| 11 瞟明 | | (297) | 25 崇骨 | | (305) |
| 12 上睛明 | | (298) | 26 肩背 | | (306) |
| 13 下睛明 | | (299) | 27 颈臂 | | (306) |
| 14 上迎香 | | (299) | 28 颈夹脊 | | (307) |

胸腹部奇穴

| | | | | | |
|---------|-------|-------|--------|-------|-------|
| 29 脐中四边 | | (307) | 33 提托 | | (309) |
| 30 止泻 | | (308) | 34 子宫 | | (309) |
| 31 胃上 | | (308) | 35 三角灸 | | (310) |
| 32 气门 | | (309) | | | |

背部奇穴

| | | | | | |
|---------------|-------|-------|---------|-------|-------|
| 36 定喘 | | (311) | 39 巨阙俞 | | (313) |
| 37 结核穴 | | (311) | 40 胃脘下俞 | | (314) |
| 38 夹脊(又称华佗夹脊) | | (312) | 41 痞根 | | (314) |

| | | | | | | | |
|----|-----|-------|-------|----|-----|-------|-------|
| 42 | 腰宣 | | (315) | 45 | 十七椎 | | (316) |
| 43 | 下极俞 | | (315) | 46 | 腰奇 | | (317) |
| 44 | 腰眼 | | (316) | | | | |

上肢部奇穴

| | | | | | | | |
|----|-----------|-------|-------|----|-----------|-------|-------|
| 47 | 肩前(又称肩内陵) | | (317) | 56 | 中泉 | | (321) |
| 48 | 抬肩 | | (318) | 57 | 中魁 | | (322) |
| 49 | 臑上 | | (318) | 58 | 大骨空 | | (322) |
| 50 | 肱中 | | (319) | 59 | 小骨空 | | (323) |
| 51 | 肩后 | | (319) | 60 | 腰痛点 | | (323) |
| 52 | 扭伤穴 | | (319) | 61 | 外劳宫(又称落枕) | | (324) |
| 53 | 肘尖 | | (320) | 62 | 八邪 | | (324) |
| 54 | 臂中 | | (320) | 63 | 四缝 | | (325) |
| 55 | 二白 | | (321) | 64 | 十宣 | | (325) |

下肢部奇穴

| | | | | | | | |
|----|-----|-------|-------|----|-----|-------|-------|
| 65 | 环中 | | (326) | 74 | 胆囊穴 | | (330) |
| 66 | 臀中 | | (326) | 75 | 外踝尖 | | (331) |
| 67 | 四强 | | (327) | 76 | 内踝尖 | | (331) |
| 68 | 髋骨 | | (328) | 77 | 失眠 | | (332) |
| 69 | 鹤顶 | | (328) | 78 | 独阴 | | (332) |
| 70 | 膝眼 | | (328) | 79 | 里内庭 | | (333) |
| 71 | 百虫窝 | | (329) | 80 | 女膝 | | (333) |
| 72 | 陵后 | | (329) | 81 | 八风 | | (333) |
| 73 | 阑尾 | | (330) | 82 | 气端 | | (334) |

1

第 章

腧穴总论

腧穴又称“骨空”、“气穴”、“气府”、“孔穴”、“穴道”、“穴位”等。“腧”与“俞”、“输”义通，有转输的含义；“穴”是孔隙的含义。腧穴是人体脏腑经络气血输注于体表的特殊部位，也是疾病的反应点和针灸推拿及其他一些外治法施术的部位。